Seema Pathak
40

B.A. I

PAGE :
DATE : / /

आहार एवं पोषण -

मानव अभिवृद्धि एवं विकास

अभिवृद्धि का अर्थ ->

अभिवृद्धि का अर्थ हैं— शारीरिक विकास व्यक्ति के शरीर के आकार, लम्बाई तथा वजन में होने वाले परिवर्तन को अभिवृद्धि कहते है ~~जिसका निरीक्षण~~

दास के अनुसार -

"प्राणी मे होने वाले ऐसे जैविक परिवर्तन को अभिवृद्धि कहते हैं जिसका निरीक्षण किया जा सकता हैं तथा जिसको मात्रात्मक रुप में मापा जा सकता है।"

अभिवृद्धि का गहरा सम्बन्ध परिपक्वता से है। सत्य तो यह कि दोनो पर्यायवाची शब्द हैं। आनुवांशिकता के प्रभाव के कारण व्यक्ति में जो जैविक परिवर्तन को होता है। वही परिपक्वता या अभिवर्द्धन कहलाता हैं।

फैंक— ने अभिवृद्धि को कोशीय वृद्धि के रुप में प्रयुत करते हुए कहा हैं।

"शरीर एवं व्यवहार के किसी पहलू में होने वाले परिवर्तन अभिवृद्धि कहलाते हैं"

अभिवृद्धि एवं विकास का अर्थ →

" अभिवृद्धि ' और ' विकास ' होने वाले दोनों शब्द प्रायः एक ही अर्थ में प्रयोग किए जाते हैं किन्तु मनोवैज्ञानिकों के अनुसार इनमें कुछ अन्तर होता है।

सोरेन्सन के विचार में - " अभिवृद्धि शब्द का प्रयोग सामान्यतः शरीर और उसके अंगों के भार तथा आकार में वृद्धि के लिए किया जाता है। इस वृद्धि को नापा जा सकता है। विकास का सम्बन्ध अभिवृद्धि से अवश्य होता है। यह शरीर के अंगों में होने वाले परिवर्तनों को विशेष रूप से व्यक्त करता है। उदाहरणार्थ बालक की हड्डियाँ आकार में बढ़ती हैं।

पीयरी लण्डन के अनुसार → विकास का अर्थ है। गर्भधारण से लेकर मृत्यु तक जीवन के पूर्ण आयुक्रम "।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया